Issue 11 - November / नवंबर - 2023

कृषक सारथी

Monthly Newsletter of
KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

NATIONAL COOPERATIVE WEEK

(14th - 20th November, 2023)

ROLE OF COOPERATIVES IN MAKING INDIA A 5 TRILLION DOLLAR ECONOMY AND SDGS

For Internal Circulation only

Dear Cooperators,

It is our pleasure to announce that KRIBHCO is gearing up to release the 11th issue of Krishak Saarthi, a newsletter that has proven to be a valuable knowledge bank for farmers and rural communities.

As the country celebrates Cooperative Week, I am delighted to learn that the focus of the 11th issue of Krishak Saarthi is dedicated to the cooperative movement in the country. Cooperatives play an integral role in India's pursuit of a $5 trillion economy, providing a unique model that aligns with both economic growth and sustainable development goals. These community-driven entities, spanning agriculture, finance, and various sectors, empower individuals at the grassroots level. The cooperative ethos promotes responsible consumption, environmental sustainability, and social inclusion, acting as a linchpin for achieving a harmonious blend of economic prosperity and global sustainability in India's ambitious journey towards a $5 trillion economy.

I would like to extend my congratulations and appreciation to the editorial team once more for aligning the theme of the newsletter with the ambition of the country.

V. S. R. Prasad
Marketing Director

EDITOR'S DESK

Dear Readers,

I am delighted to announce the release of the 11th issue of our monthly newsletter, Krishak Saarthi, and would like to express my gratitude to everyone for their contributions. It is a moment of pride as Krishak Saarthi has secured the 1st prize in the National PRSI Award in the Hindi newsletter category.

The current issue is dedicated to the Cooperative Week being celebrated nationwide. In this edition we highlight the pivotal role Cooperatives play in India's development by promoting economic inclusivity and community empowerment. These collective enterprises provide a platform for individuals to pool resources, share knowledge, and access opportunities beyond their individual reach. In rural areas, agricultural cooperatives enhance farmers' productivity and bargaining power, contributing to overall agricultural development. In urban and semi-urban settings, cooperatives stimulate entrepreneurship and small business growth. By advocating principles of equality, self-help, and democratic decision-making, cooperatives not only contribute to economic development but also address social issues such as poverty, unemployment, and gender inequality, aligning with the SDGs. The cooperative movement in India acts as a catalyst for sustainable and equitable development, creating a positive impact on both rural and urban communities.

With each issue, we strive to enhance our expertise in addressing issues favoring national interest and the farming communities at large. We eagerly await your valuable feedback to ensure the success of our publication.

Dr. V. K. Tiwari
Dy. GM (Mktg)

Editorial Board

Sh. V S R Prasad, Mktg. Director
Chairman

Dr. V K Tiwari, DGM (Mktg)
Chief Editor

Sh. Sharvan Kumar, CM (Mktg)
Member – FAS

Sh. Devisht Agarwal, DM (MS)
Member – IT and Technical

Sh. Nitesh Kumar Mishra, DM (Mktg)
Editing, Design and Circulation

Sh. Raj Babu Kumar, AM (Mktg)
Member – Agriculture News Updates

Sh. Rishav Arora, AM (MS)
Member – Current Affairs

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL) द्वारा आयोजित सहकारिता के माध्यम से जैविक उत्पाद को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 08 नवंबर 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL) द्वारा आयोजित सहकारिता के माध्यम से जैविक उत्पाद को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। श्री अमित शाह ने NCOL के logo, website और brochure का शुभारंभ और एनसीओएल सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री बी एल वर्मा, सचिव, सहकारिता मंत्रालय और अध्यक्ष, NCOL सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए आज़ादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में रखे गए कई लक्ष्यों में से एक लक्ष्य प्राकृतिक खेती को हासिल करने के लिए कई मोर्चों पर काम करना और उनके बीच समन्वय कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि भारत में प्राकृतिक खेती को 50 प्रतिशत से ऊपर ले जाने का लक्ष्य एक मल्टीडायमेंशनल अप्रोच के बिना पूरा हो ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि ये भारत के लिए संतोषजनक बात है कि कृषि उपज के क्षेत्र में आज हम ना सिर्फ आत्मनिर्भर हैं, बल्कि सरप्लस हैं और हमें इस यात्रा का मूल्यांकन करना होगा। श्री शाह ने कहा कि उत्पादन बढ़ाने में फर्टिलाइज़र्स और पेस्टीसाइड्स के अत्यधिक उपयोग के बुरे परिणाम आज हमारे सामने आने लगे हैं। इनके अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरता को कम और भूमि, पानी को प्रदूषित करने के साथ ही कई प्रकार की बीमारियां भी दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशभर के किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया है। विगत 5-6 सालों में देश के लाखों किसानों ने प्राकृतिक खेती को अपनाया है और धीरे-धीरे ऐसे किसानों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सर्टिफिकेशन के बिना किसान और उपभोक्ता दोनों के लिए समस्या उत्पन्न होती है। इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 11 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL) की स्थापना को मंज़ूरी दी।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में प्राकृतिक खेती करने वाले सभी किसानों को एक मंच देने और उनके उत्पादों की मार्केटिंग की व्यवस्था करने के लिए राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि आज इसकी आधिकारिक लॉंचिंग के साथ ही भारत ऑर्गेनिक के 6 उत्पादों को भी बाज़ार में उतारा गया है। श्री शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में भारत ऑर्गेनिक्स, ना सिर्फ भारत बल्कि वैश्विक ऑर्गेनिक उत्पाद बाज़ार में सबसे विश्वसनीय और बड़ा ब्रांड बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सहकारिता और किसानों को जब मंच मिल जाता है तो सबसे अच्छा परफॉर्म करके दिखाने का हमारा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने कहा कि आज लॉंच किए गए 6 उत्पादों सहित इस वर्ष दिसंबर तक कुल 20 उत्पादों को लॉंच किया जाएगा और इनका उत्पादन करने वाले किसानों को इसका लाभ मिलने लगेगा। इन 6 उत्पादों की बिक्री की शुरूआत आज से मदर डेयरी के 150 आउटलेट्स के माध्यम से हो रही है और ये उत्पाद ऑनलाइन भी उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही Organic Under One Roof के कॉन्सेप्ट के साथ आज से सभी ऑर्गेनिक उत्पादों की एक रिटेल आउटलेट नेटवर्क की भी शुरूआत हो रही है।

श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के छोटे किसान को केन्द्र में रखकर कृषि की अर्थनीति को मज़बूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अगर सभी किसान सहकारिता के माध्यम से प्राकृतिक खेती के साथ जुड़ते हैं, तो प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा हमारे सामने रखे गए 4 लक्ष्यों– हर नागरिक स्वस्थ हो, भूमि सुरक्षित हो, जल सुरक्षित हो और हमारा किसान समृद्ध हो को हम सिद्ध कर सकते हैं।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमारे देश में करोड़ों पशुपालक प्रतिदिन वाणिज्यिक दृष्टि से गोबर उत्पादन करते हैं और इसका कमर्शियल दृष्टि से उपयोग बहुत बड़ी क्रांति ला सकता है और किसानों की आय में अच्छी–खासी वृद्धि भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज NDDB द्वारा वाराणसी में स्थापित बायोगैस संयंत्र के माध्यम से जैविक खाद की मूल्य श्रंखला परंपरा की शुरूआत हो रही है। देश में गोबर का उपयोग भूमि सुधार, प्राकृतिक खेती और किसानों की आय बढ़ाने में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) और Gujarat State Fertilizers Chemicals Limited (GSFC) ने उच्च गुणवत्ता वाले गोबर के लिए एक ब्रांड को भी पंजीकृत किया है और वाराणसी में 4000 घनमीटर की क्षमता वाला गोबर गैस प्लांट भी लगाया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सहकार से समृद्धि के मंत्र के साथ सहकारिता को मज़बूत करने के लिए किए गए प्रयासों से देश का ग्रामीण और कृषि क्षेत्र, छोटे और सीमांत किसान और 8 लाख से अधिक पंजीकृत सहकारी संस्थाओं के माध्यम से देश के 90 प्रतिशत लोग सहकारिता आंदोलन के साथ जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से फर्टिलाइज़र्स की मांग भी कम होगी और इससे खाद्यान्न का उत्पादन भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस नई शुरुआत को जितना जल्दी हम आत्मसात करेंगे, देश उतना ही कृषि के क्षेत्र में आगे जाएगा और इसके लिए मोदी सरकार ने कई पहल की हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड को अमूल, नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NCCF), नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NFED), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) द्वारा संयुक्त रूप से प्रमोट किया गया है। इसकी 500 करोड़ की अधिकृत पूंजी के साथ शुरुआत हुई है। अब तक मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और नागालैंड में इसके 950 से ज्यादा सदस्य बन चुके हैं और 2000 से ज्यादा सहकारी संस्थाओं से सदस्यता के आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड एक बहुउद्देशीय शुरुआत है जो देश के भूमि व जल संरक्षण और अन्न उत्पादन बढ़ाने के मिशन को गति और दिशा देगी। NCOL अगले 5 सालों में देश का सबसे बड़ा उपक्रम होगा और देशवासियों के स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम सिद्ध होगा। श्री शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती में लगे किसान के उत्पादों की मार्केटिंग, ब्रांडिंग और एक्सपोर्ट के लिए भी ये संस्था एक प्लेटफार्म के रूप में काम करेगी। जैविक उत्पादों के इंटीग्रेशन, सर्टिफिकेशन, टेस्टिंग, स्टैंडर्डाइजेशन, प्रोक्योरमेंट, स्टोरेज प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग, लेबलिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग के बाद एक्सपोर्ट का पूरा काम राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड करेगा, जिससे आने वाले दिनों में हमारे आर्गेनिक उत्पादों को वैश्विक बाज़ार में पहचान मिलेगी।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने देशभर के प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PCS), किसान उत्पादक संगठन (FPOs) और प्रगतिशील किसानों से अनुरोध किया कि NCOL के साथ जुड़ें, भारत ब्रांड को मजबूत करें और इस ब्रांड के माध्यम से खुद भी समृद्ध हों। उन्होंने कहा कि देश में प्राकृतिक खेती से जुड़े हर किसान को राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनिक प्रोडक्ट का भारत और विश्व में जो भी मुनाफा मिलता है, वो सीधा किसानों के बैंक खातों में जाना चाहिए। ये सुनिश्चित करने के लिए तय किया गया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से ऊपर मिलने वाले मूल्य का 50% सीधा किसान के बैंक अकाउंट में प्रति किलोग्राम के हिसाब से जमा होगा। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने तय किया है कि वर्ष 2024 तक 25 हज़ार से ज्यादा सदस्य NCOL के साथ जुड़ेंगे और जैविक किसानों का डेटाबेस बनाने का काम भी इस संस्था ने शुरू कर दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत ब्रांड के लाँच होने के बाद अगले 10 वर्षों में विश्व के ऑर्गेनिक मार्केट में भारत बहुत मजबूती के साथ खड़ा होगा।

इस अवसर पर आज सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने NDDB मृदा लिमिटेड की वेबसाइट एवं वाराणसी बायोगैस संयंत्र से उत्पादित ऑर्गेनिक खाद का लोकार्पण भी किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि एक दीर्घकालिक बाजार योजना बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है कि देश के हर जिले और तहसील तक जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPOP) द्वारा मान्यता प्राप्त लैबोरेट्री बनाई जाए। उन्होंने कहा कि अभी देश में कुल 246 लैबोरेट्रीज है, जिनमें से 147 निजी और 99 सरकारी हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ 34 लैब ही NPOP द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। श्री शाह ने कहा कि सरकार ने भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSI) और अन्य सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर Whole of Government approach के साथ अगले वर्ष तक लगभग 100 मोबाइल प्रयोगशालाएं और 205 स्थित प्रयोगशालाएं स्थापित करने का निर्णय किया है। इससे 300 लैबोरेट्रीज बढ़ जाएंगी और देश का लगभग हर जिला कवर हो जाएगा, जिससे भूमि और प्रोडक्ट का परीक्षण और सर्टिफिकेशन सकेगा। इस प्रकार देशभर में अगले एक साल में 439 लैबोरेट्रीज हो जाएंगी, इससे किसानों को अपने प्रोडक्ट के सर्टिफिकेशन और राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड को भी सर्टिफाइड प्रोडक्ट को खरीदने में बड़ी सहूलियत होगी। पैकेजिंग और मार्केटिंग के बाद एक्सपोर्ट का पूरा काम राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड करेगा, जिससे आने वाले दिनों में हमारे आर्गेनिक उत्पादों को वैश्विक बाज़ार में पहचान मिलेगी।

गेहूँ • **गेहूँ की प्रमुख प्रजातियाँ** C-306, Karan vrinda (DBW371), DBW 296 (Karan ishwarya), HD-2967, HD 3090 (Pusa mulya), HD-3086, HD-3385, PB-550, DBW-332, DBW-327, DBW-302, WH-1224, WH-3086, RJ-4037

- गेहूँ की शेष रही बुवाई इस माह पूरी कर लें, क्योंकि जितनी ज्यादा देरी से बुवाई की जाती है उतना ही कम उत्पादन प्राप्त होता है। देरी से बुवाई करने पर गेहूं की बढ़वार कम होती है और कल्ले कम निकलते हैं। देरी से बुवाई करने पर बीज की मात्रा को बढ़ा देना चाहिए। इसलिए प्रति हेक्टेयर बीज दर बढ़ाकर 125 किग्रा कर लें। गेहूं की बुवाई कतारों में हल के पीछे कूड़ों या फर्टीसीड ड्रिल से करें।
- गेहूँ की फसल में गेहुंसा एवं जंगली जई के नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फ्यूरान 75 प्रति डब्लूपी की 13.5 ग्राम या सल्फोसल्फ्यूरान 75 प्रति मेट सल्फ्यूरान मिथाइल पांच प्रति 20 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 से 250 लीटर पानी में घोल बनाकर पहली सिंचाई के बाद छिडक़ाव करना चाहिए।
- गेहूँ में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार की समस्या अधिक रहती है। यदि ऐसा है तो चौड़ी पत्ती के खरपतवार के नियंत्रण के लिए 2-4 डी. सोडियम साल्ट 80 प्रति डब्लू पी की 625 ग्राम प्रति हेक्टेयर मात्रा का लगभग 500-600 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 20-25 दिन बाद फ्लैट फैन नाजिल से छिडक़ाव करना चाहिए।

जौ • **जौ की प्रमुख प्रजातियाँ** FOR MLT- BH-75, PL-426, BH-393, DWRUB64; सिंचित क्षेत्र हेतु-RD2035, RD2503, RD2552, BH902, PL426, NRENDR BRLEY-2; असिंचित क्षेत्र हेतु-RD2508, K560, K603, RD2624, PL419, RD2660, GETNJLI (K1149)

- जौ में पहली सिंचाई बुवाई, के 30-35 दिन बाद कल्ले बनते समय करें। उसके बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए।

मसूर • **मसूर की प्रमुख प्रजातियाँ** LL 931, VL MSOOR 133, VL MSOOR 129, PNT LENTIL-6(PL-02), PNT LENTIL-8(PL 063), PNT LENTIL 7(PL- 024), PUS MSOOR 5 (L-45994), JL 1, SPN(LH- 84-8), PNT LENTIL-4(PL-81-17), DPL-15(PRIY)

- मसूर की बुवाई के 45 दिन बाद पहली हल्की सिंचाई करनी चाहिए। लेकिन इस बात का ध्यान रखें की खेत में पानी जमा न हो पाए। इसके लिए खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था होना बेहद जरूरी है।

चना • **चने की प्रमुख प्रजातियाँ** GNG0809, GNG 1958, GNG 1969, CSJ 515, RJ VIJY KBULI GRM² 202, PBG-5, RSG 974, RVG-202, RVG-204, RVG-205,GNG-2171, Phuley Vikrant, Jaki-9218

- बुवाई के 45 से 60 दिन के बीच पहली सिंचाई कर दें। इसके बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई की जा सकती है। वहीं खरपतवार को समय- समय पर खुरपी की सहायता से निकालकर खेत से बाहर फेंक दें या भूमि में दबा दें।
- यदि चने में झुलसा रोग का प्रकोप हो रहा हो तो इसकी रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर 2.0 किग्रा 500-600 लीटर (मैंकोजेव 75 प्रतिशत 50 डब्यूपी.) को पानी में घोलकर 10 दिन के अंतर पर दो बार छिडक़ाव करें।

सरसों • **सरसों की प्रमुख प्रजातियाँ:** NRCDR 2, NRCHB-506, NRCDR 601, NRCHB 101, DRMRIJ-31, DRMR 150-35, DRMR 1165-40, NRCY-05-02, DRMRIC 16-38, DRMR 2017-15 (RDHIK), YSH 0401

- सरसों की बुवाई के 55-65 दिन बाद या फूल निकलने के पहले ही दूसरी सिंचाई कर देनी चाहिए। इससे अच्छा उत्पादन मिलता है।

बरसीम • **बरसीम की प्रमुख प्रजातियाँ:** Bundel Berseem-3, Jawahar Berseem-1, Jawahar Berseem-5, Jawahar Berseem-9, Hisar Berseem-1, Hisar Berseem-2, Berseem Ludhiyana-10, Berseem Ludhiyana-42, Berseem Ludhiyana-43 and Berseem Ludhiyana-44

- बरसीम की 45 दिन बाद पहली कटाई करें। फिर हर 20-25 दिन पर कटाई करते रहें। प्रत्येक कटाई के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए जिससे बेहतर उत्पादन मिलता है।

जई • **जई की प्रमुख प्रजातियाँ:** BUNDEL JI 2001-3 (JHO 2001-3), BUNDEL JI 991 (JHO 99-1), HRIT (RO -19), BUNDEL JI 2004 (JHO 2000-4), JO-1, BUNDEL JI 992 (JHO 99-2).

- जई की २०-२५ दिन पर सिंचाई करते रहना चाहिए, क्योंकि खेत में नमी रखने के लिए सिंचाई करते रहना जरूरी होता है।

सब्जियां

आलू • **आलू की प्रमुख प्रजातियाँ:** Kufri Pukhraj, Kufri Chipsona-1, Kufri Chipsona-2, Kufri Giriraj, Kufri nand, Kufri Kanchan, Kufri run, Kufri Pushkar, Kufri Shailja, Kufri Surya, Kufri Chipsona-3, Kufri Himalini, Kufri Himsona, Kufri Sadabahar, Kufri Girdhari, Kufri Khyati, Kufri Frysona, Kufri Chipsona-4, Kufri Neelma, Kufri Gaurav, Kufri Garima, Kufri Lalit, Kufri Mohan.

- आलू की फसल की 10-15 दिन के अंतर पर सिंचाई करते रहना चाहिए। पाले से बचाने के लिए खेत में धुआं कर दें।
- आलू में झुलसा एवं माहू रोग का प्रकोप दिखाई दें तो इसके नियंत्रण के लिए मैकोजेब 2 ग्राम तथा फास्फेमिडान 0.6 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिन के अंतर पर 2-3 छिडक़ाव करें।

मिर्च • **मिर्च की प्रमुख प्रजातियाँ :** Arka Gagan, Arka Tanvi, Arka Saanvi, Arka Yashasvi (H 8), Arka Tejasvi, Arka Neelanchal Prabha, Arka Harita, Arka Meghana, Arka Sweta, Arka Khyati.

- मिर्च में वायरस वाहक कीटों थ्रिप्स एफिड माइट्स सफेद मक्खी का समय पर नियंत्रण करें। इसके लिए कीट की सतत निगरानी कर तथा संख्या के आधार पर डाईमिथएट की 2मि.ली. मात्रा 1ली. पानी मिलकर छिडक़ाव करें। अधिक प्रकोप की स्थिति में थायमेथाइसम 25 डब्लू जी की 5 ग्राम मात्रा 15 ली. पानी में मिलकर छिडक़ाव करें।
- टमाटर की तरह ही मिर्च में भी झुलसा रोग का प्रकोप रहता है। इससे बचाव के लिए मैकोजेब 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी) का छिडक़ाव करें।

टमाटर • **टमाटर की प्रमुख प्रजातियाँ** Arka Rakshak, Vaishali, Rupali, Arka Shrestha, Arka Vardan, Rashmi, Arka Vishal, Pusa 120, Roma, Rajni, Arka Vikas, Arka Saurabh, Arka bhijith, bhinav, Namdhari, Arka Meghali, Arka huti, Pusa Early Dwarf, unty Ruby's German Green Tomato, Stupice, Sakura, vishkar, Rupali, Arka shish (IHR-674), Arka bha (BWR 1), Arka lok (BER-5), Pusa Ruby, Pusa Gaurav

- इस समय टमाटर की गर्मी के मौसम की फसल लेने के लिए नर्सरी तैयार कर बीजों की बुवाई करें।
- टमाटर की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप दिखाई दे तो इसके लिए मैकोजेब 0.2 प्रतिशत या 2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिडक़ाव करें।

प्याज • **प्याज की प्रमुख प्रजातियाँ** Bhima Red, Bhima Super, Bhima Kiran, Bhima Shakti, Pusa Red, NE-2-E4-E1, Pusa Madhavi, rka Niketan, rka Kalyan, grifound Dark Red, grifound Light Red, kra Pragati, Udaipur 101, Early Grano (Yellow coloured bulbs), Bhima Shweta (White coloured bulbs).

- यह समय प्याज की रोपाई का भी है। इसके लिए प्याज की 7-8 सप्ताह पुरानी पौध का प्रयोग करें। रोपाई के बाद हल्की सिंचाई करें।

आम और लीची • **आम की प्रमुख प्रजातियाँ** Iphonso, Kesar, Dasheri, Banganapalli, Langra, Totapuri, Badami, Neelam, Malgova, Rajapuri, Himayat, Sinduri, Himsagar, Pairi, Suvarnarekha, Mulgoba, Mankurad, mrapali, Chausa, Raspuri, Suvarnabhoomi, Rumani, mrapali, Mancurad, Fazli, Chandrakaran, Himam Pasand, Pairi, Gulab Khas, Lalbagh, Bombay Green, Malda, Himachal Special, Mulgoa, Mallika, Panchadara Kalasa, Suvarna Mohan, Collector, Gulab Khaas, Collector's Choice.

- **लीची की प्रमुख प्रजातियाँ** China, Deshi, Purbi, Early Late Bedana, Mclean, Muzzaffarpur, Rose Scented, Shahi, Kasba, Bombai, Saharanpur, Dehradun, Calcuttia, Early Large Red, Late Large Red, Rose Scented, Elachi Early, Elachi Late, Kalyani Selection.
- लीची में मंजर आने के 30 दिन पहले पौधों पर जिंक सल्फेट (2 ग्रा./लीटर) के घोल का पहला एवं 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव करने से मंजर एवं फूल अच्छे होते है।
- आम व लीची में मिलीबग कीट का प्रकोप अधिक होता है। इसके बचाव के लिए इन तरीको अपनाया जा सकता है।
- तने के आधारीय भाग पर पॉलीथिन बांधकर लगाना। मिट्टी से 30 सेंटीमीटर उपर एक फुट ऊंचाई व 400 गेज मोटी पॉलीथिन का एक पट्टा तने के चारों ओर लपेटकर उपर और नीचे कसकर बांध दिया जाता है। पॉलीथिन बंध लगाना उत्तम तरीका है।
- तने के आधारीय भाग पर कीटनाशक चूर्ण का बुरकाव। इस विधि में फलों के तनों पर मिट्टी से ढाई फुट उपर तक किसी महीन सूती कपड़े में पोटली बनाकर क्लोरपारीफॉस डस्ट नामक कीटनाशी 200 से 250 ग्राम मात्रा को तनों के चारों और धीरे-धीरे पटककर बुरकाव करते हैं। जो किसान पॉलीथिन बंध न लगा पाएं, उनके लिए यह विधि उत्तम रहेगी।
- बागों में कीटनाशकों का छिडक़ाव। यह अंत में किए जाने वाला तरीका है। जिसमें उपयुक्त दोनों विधियों का किसान प्रयोग नहीं कर पाए हों। यदि मिलीबग कीट उपर तक चढ़ गए हों तो उन्हें नियंत्रण करने का यही कारगर उपाय है। इसक लिए डाईमेथोयट 30 ईसी नामक कीटनाशी की दो मिली मात्रा को एक लीटर पानी की दर से घोलकर प्रभावित फल वृक्षों पर बाग वाले स्प्रेयर से छिडक़ाव करके अच्छे से नहला देते हैं। इसके परिणाम स्वरूप सभी कीड़े मरकर पेड से नीचे गिर जाते हैं और बाग इनके प्रकोप से बच जाता है।
- आम में मधुआ कीट एवं पाउडरी मिल्ड्यू के नियंत्रण के लिए मंजर निकलने के समय बैविस्टिन या कैराथेन (0.2 प्रतिशत) तथा मोनोक्रोटोफ़ॉस या इमिडाक्लोप्रिड (0.05 प्रतिशत) का पहला एहतियाती छिड़काव करें।

पपीता • **पपीता की प्रमुख प्रजातियाँ** Honey Dew, Coorg Honey Dew, Washington, Solo, Co-1,Co-2, Co-3, Sunrise Solo, Taiwan, Ranchi selection, Pusa Delicious Pusa Nanha.

- **वृक्षारोपण के छ** महीने के बाद प्रति पौधा उर्वरक देना चाहिए । नाईट्रोजन - 150 -200 ग्राम, फ़ॉस्फोरस 200-250 ग्राम, पोटाशियम 100-150 ग्राम। तीनों उर्वरक 2-3 खुराक में वृक्ष लगाने से पहले फूल आने के समय तथा फल लगने के समय दे देना चाहिए।

अमरुद • **अमरुद की प्रमुख प्रजातियाँ** llahabad Safeda, Sardar (Lucknow 49), Pant Prabhat, Lalit, Dhareedar, Chittidar, Harijan, rka Mridula, Khaja (Bengal Safeda), Hafsi (Red fleshed), Behat coconut (seed less). Hybrid varieties like Safed jam, Kohir Safeda, and rka mulya.

- फल-मक्खी के नियंत्रण के लिए साइपरमेथ्रिन 2.0 मि.ली./ली. या मोनोक्रोटोफ़ॉस 1.5 मिली./ली. की दर से पानी में घोल बनाकर फल परिपक्वता के पूर्व 10 दिनों के अंतर पर 2-3 छिड़काव करें । प्रभावित फलों को तोड़कर नष्ट कर देना चाहिए तथा बगीचे में फल मक्खी के वयस्क नर को फंसाने के लिए फेरोमोन ट्रेप लगाने चाहिए।

आँवला • **आँवला की प्रमुख प्रजातियाँ** Krishna, Kanchan, Narendra onla -6, Narendra onla -7, Narendra onla - 10, Chaikaya mla, Francis mla, Banarasi mla.

- तुड़ाई उपरांत फलों को डाइफोलेटान (0.15 प्रतिशत), डाइथेन एम - 45 या बैवेस्टीन (0.1 प्रतिशत)से उपचारित करके भण्डारित करने से रोग की रोकथाम की जा सकती है।

सुगंधित पुष्प ग्लैडियोलस

- **ग्लैडियोलस की प्रमुख प्रजातियाँ** American Beauty, Friendship, Her Majesty, Jester, Nova Lux, Royal Gold, Oscar, Morning Kiss, Day Dream, Priscilla, White Prosperity, White Friendship, Rose Supreme, Wigs Sensation, Eurovision, Mascagni, Blue Sky, Peter Pears, Rose Delight, Christian Jane, Sancerre, Yellow Stone, Trader Horn, pollo, and Jack's Gold.

- सुगंधित पुष्प ग्लैडियोलस में आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई का कार्य करें। इस दौरान इसकी मुरझाई टहनियों को निकालते रहें और बीज न बनने दें।

मेंथा • **मेंथा की प्रमुख प्रजातियाँ** A) Japanese mint Himalaya (MS0-1), Kalka (Hyb-77), Shivalik Ec-41911 B) Peppermint Kukrail C) Spearmint MSS-1, MESS-5, Punjab spearmint-1.

- मेंथा के लिए भूमि की तैयारी के समय अंतिम जुताई पर प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल गोबर की खाद, 40-50 किग्रा नाइट्रोजन, 50-60 किग्रा फास्फेट एवं 40-45 किग्रा. पोटाश भूमि में मिला दें। इसके बाद इसकी बुवाई का कार्य प्रारंभ करें।

पशुपालन

- **पशु को आहार देने के कुछ मूल नियम:** पशु का आहार संतुलित एवं नियंत्रित हो। उसे दिन में दो बार 8-10 घंटे के अंतराल पर चारा पानी देना चाहिए। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है एवं बीच में जुगाली करने का समय भी मिल जाता है। पशु का आहार सस्ता, साफ़, स्वादिष्ट एवं पाचक हो। चारे में 1/3 भाग हरा चारा एवं 2/3 भाग सूखा चारा होना चाहिए। पशु को जो आहार दिया जाए उसमें विभिन्न प्रकार के चारे-दाने मिले हों। चारे में सूखा एवं सख्त डंठल नहीं हो बल्कि ये भली भांति काटा हुआ एवं मुलायम होना चाहिए। इसी प्रकार जौ,चना, मटर, मक्का इत्यादि दली हुई हो तथा इसे पक्का कर या भिंगो कर एवं फुला कर देना चाहिए। दाने को अचानक नहीं बदलना चाहिए बल्कि इसे धीरे-धीरे एवं थोड़ा-थोड़ा कर बदलना चाहिए। पशु को उसकी आवश्यकतानुसार ही आहार देना चाहिए। कम या ज्यादा नहीं। नांद एकदम साफ होनी चाहिए, नया चारा डालने से पूर्व पहले का जूठन साफ़ कर लेना चाहिए।

Glimpses of ICA-AP Regional Assembly held at Manila, Philippines.

Glimpses of Viksit Bharat Sankalp Yatra 2023

GUJARAT

Dr. Mansukh Mandaviya, Hon'ble Union Minister for Chemicals & Fertilisers and Health & Family Welfare visited KRIBHCO stall in Viksit Bharat Sankalp Yatra Krishi Mahotsav and he reviewed technical Literature and Biofertilisers products of KRIBHCO at Mehsana.

UTTARAKHAND

दिनांक 25 नवंबर 2023 को ग्राम –सोडा सरोली, विकासखंड रायपुर, जनपद देहरादून (उत्तराखंड) में **विकसित भारत संकल्प यात्रा** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 250 ग्रामीणों द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री गजेंद्र कुमार उप महाप्रबंधक कृभको उत्तराखंड द्वारा कृषि में ड्रोन की उपयोगिता के विषय मे विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा कृषि में ड्रोन भविष्य की आवश्यकता होना बताया गया एवं भारत सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी लाभार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं ग्रामीणों द्वारा खेत पर जाकर कृभको द्वारा प्रायोजित कृषि ड्रोन के प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। श्री गजेंद्र कुमार द्वारा मुख्य अतिथि को उत्तराखंड राज्य में कृभको के सौजन्य किए जा रहे कृषि ड्रोन प्रदर्शनों की प्रगति से भी अवगत कराया गया, जिसके लिए मुख्य अतिथि द्वारा कृभको की सराहना की गई।

KRIBHCO Newsletter "Krishak Saarathi" bagged the FIRST PRIZE in the Prestigious PRSI NATIONAL AWARDS 2023

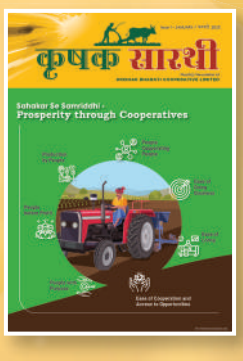

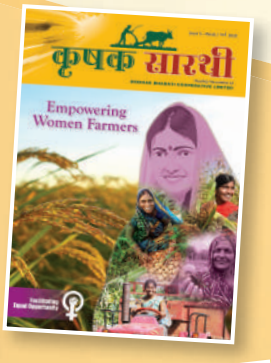

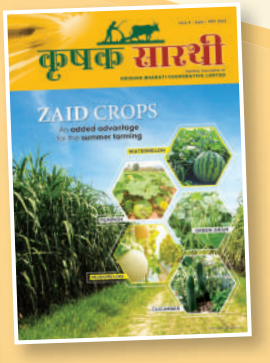

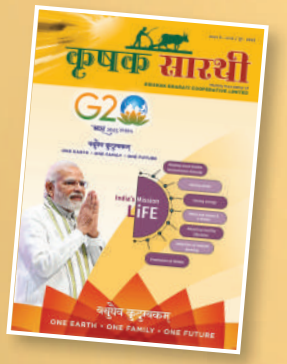

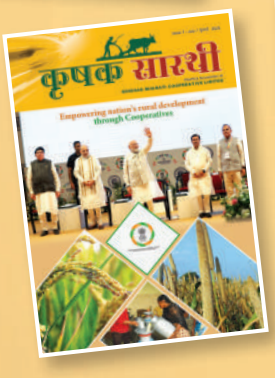

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड

KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

कृभको भवन, ए-10, सैक्टर-1, नोएडा - 201301, जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

KRIBHCO Bhawan, A-10, Sector-1, NOIDA - 201301, District Gautam Budh Nagar (U.P.)

Designed by Wide Reach Advertising